VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(20 March 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- 'फाइव आईज (FVEY)': दुनिया का सबसे पुराना खुफिया-साझाकरण नेटवर्क
- बढ़े हुए परिव्यय के साथ संशोधित 'डेयरी विकास कार्यक्रम' और 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' को मंजूरी
- सर्बिया में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ 'सोनिक हथियार' के प्रयोग का आरोप
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

‘फाइव आईज (FVEY)’: दुनिया का सबसे पुराना खुफिया-साझाकरण नेटवर्क

चर्चा में क्यों है?

- 16 मार्च को दिल्ली में कई देशों के खुफिया अधिकारी एकत्रित हुए, जिनमें फाइव आईज (FVEY) गठबंधन के तीन प्रतिनिधि भी शामिल थे। 1946 में गठित, FVEY दुनिया का सबसे पुराना और सबसे विशिष्ट खुफिया-साझाकरण नेटवर्क है।
- उल्लेखनीय है कि साथ मिलकर, फाइव आईज देशों ने वियतनाम युद्ध, खाड़ी युद्ध, आतंकवाद के खिलाफ युद्ध और यूक्रेन पर रूसी आक्रमण सहित अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को आकार दिया है। इस गठबंधन को मध्यपूर्व और चिली में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को उखाड़ फेंकने, चीन में असंतुष्टों की सहायता करने, व्यापार सौदों को प्रभावित करने और अपने नागरिकों और सहयोगियों के गोपनीयता अधिकारों का उल्लंघन करने वाली निगरानी करने से भी जोड़ा गया है।

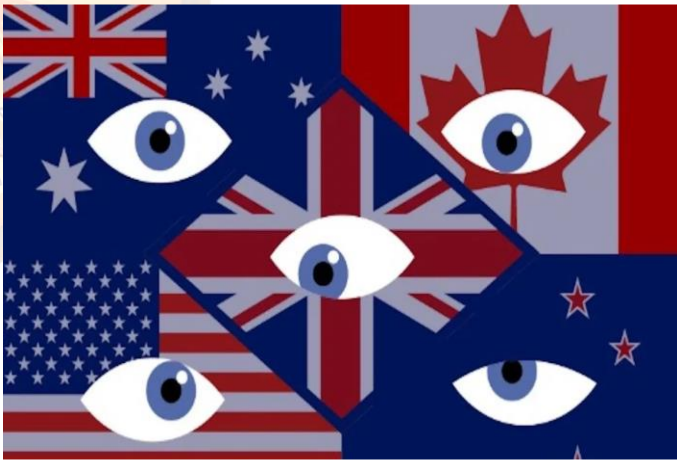

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

फाइव आईज (FVEY) गठबंधन क्या है?

- 'फाइव आईज' गठबंधन में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। इसकी शुरुआत ब्रिटिश और अमेरिकी कोड-ब्रेकिंग टीमों के बीच द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक गुप्त सहयोग से हुई थी।
- 1946 में, ब्रिटेन और अमेरिका ने एक सिग्नल इंटेलिजेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे बाद में अन्य तीन देशों को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया।
- यह गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून प्रवर्तन और वैश्विक खतरे के आकलन में खुफिया जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान करता है।
- इसके सदस्य इसे दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण खुफिया-साझाकरण समझौता मानते हैं, जो गहरे विश्वास की नींव पर काम करता है।
- जबकि सभी सिग्नल खुफिया जानकारी साझा करने की अपेक्षा की जाती है, राष्ट्रों को आवश्यकता पड़ने पर रोकने या स्वतंत्र रूप से कार्य करने का अधिकार रहता है।

सदस्यों के बीच विवाद:

- खुफिया सहयोग के बावजूद, फाइव आईज देशों में तनाव रहा है। खुफिया जानकारी में कटौती एक आवर्ती रणनीति रही है।
- वहीं अमेरिका गठबंधन पर हावी है, और अक्सर अपने सहयोगियों से जानकारी छिपाता रहा है।
- राजनीतिक तनाव ने भी गठबंधन को खतरे में डाल दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे राष्ट्रपति पद के दौरान, व्हाइट हाउस के अधिकारी पीटर नवारो ने कनाडा को फाइव आईज से बाहर करने के लिए दबाव डाला।
- हालांकि, इन असहमतियों ने FVEY को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संघर्षों पर प्रभाव डालने से नहीं रोका है।

फाइव आईज द्वारा दूसरे देशों में सत्ता परिवर्तन की कार्यवाहियां:

चिली में सत्ता परिवर्तन के लिए गुप्त ऑपरेशन:

- अस्सी के दशक में अमेरिका ने चिली के निर्वाचित मार्क्सवादी नेता, साल्वाडोर एलेंडे के राष्ट्रपति पद को समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया ने भी इस गुप्त ऑपरेशन में भूमिका निभाई।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- उल्लेखनीय है कि 1970 में, निक्सन और किसिंजर ने एलेंडे को अमेरिकी हितों के लिए खतरा माना। चिली के चुनाव से पहले के महीनों में, अमेरिका ने एलेंडे के प्रतिद्वंद्वी का समर्थन करने के लिए प्रचार और कॉर्पोरेट समर्थन का इस्तेमाल करते हुए, लाखों लोगों को बर्बाद करने वाले ऑपरेशन" में झोंक दिया। इन प्रयासों के बावजूद, एलेंडे ने बहुत कम अंतर से जीत हासिल की।
- हालाँकि, 11 सितंबर, 1973 को चिली की सेना ने तख्तापलट कर दिया। सेना प्रमुख ऑगस्टो पिनोशे ने सत्ता संभाली और वामपंथियों पर क्रूर कार्रवाई की। उनके 17 साल के शासन में, 3,000 से ज़्यादा लोग मारे गए या गायब हो गए, और 38,000 राजनीतिक कैदी बन गए, जिनमें से कई को यातनाएँ दी गईं।

मध्य पूर्व में हस्तक्षेप:

- 1953 में, CIA और ब्रिटेन की MI6 ने ईरान के प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादेक के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रची, क्योंकि उन्हें डर था कि तेल वार्ता विफल होने से ईरान सोवियत संघ की ओर बढ़ जाएगा। इसने ईरान में विरोध प्रदर्शन भड़काए जिसमें 200 से ज्यादा लोग मारे गए, मोसद्देक को हटा दिया गया और पश्चिमी समर्थक शाह को स्थापित किया गया। तीन साल बाद, CIA ने फिर से MI6

की मदद से, मध्य पूर्व में सोवियत संघ के प्रभाव को कम करने के लिए सीरिया के सोवियत समर्थक शासन के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रची।

- दशकों बाद, फाइव आईज़ गठबंधन ने फिर से इस क्षेत्र में गुप्त अभियान चलाया, इस बार लीबिया में। 2011 की लीबिया क्रांति के दौरान उजागर हुए गुप्त दस्तावेज़ों ने मुअम्मर गद्दाफी की खुफिया एजेंसी, बाहरी सुरक्षा संगठन के साथ गहरे यूएस-यूके सहयोग का खुलासा किया।
- फाइव आईज़ की सबसे महत्वपूर्ण खुफिया विफलताओं में से एक 2003 में इराक पर आक्रमण के साथ हुई। यह आक्रमण सद्दाम हुसैन के कथित WMDs के बारे में गलत खुफिया जानकारी पर आधारित था। बाद में आलोचकों ने तर्क दिया कि गठबंधन की खुफिया एजेंसियों को WMD के गलत दावों की जानकारी थी और आक्रमण का वास्तविक उद्देश्य इराक के तेल भंडारों की आर्थिक स्थिति थी।

फाइव आईज द्वारा वैश्विक निगरानी का प्रयास:

- एडवर्ड स्नोडेन के 2013 के लीक ने फाइव आईज निगरानी के विशाल दायरे का खुलासा किया। लीक से पता चला कि ऑस्ट्रेलिया ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुसिलो बामबांग युधोयोनो और उनके करीबी लोगों के फोन टैप करने का प्रयास किया था।

- न्यूजीलैंड को अपने प्रशांत सहयोगियों पर अंधाधुंध जासूसी करते और अपने फाइव आईज भागीदारों के साथ खुफिया जानकारी साझा करते हुए पकड़ा गया था।
- इस बीच, कनाडा के संचार सुरक्षा प्रतिष्ठान (CSE) ने लगभग 20 "उच्च प्राथमिकता वाले" देशों की निगरानी करने में NSA की सहायता की और यहां तक कि ओटावा में 2010 के G20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका की जासूसी करने में भी मदद की।
- स्नोडेन के दस्तावेजों से पता चला कि फाइव आईज खुफिया एजेंसियों ने लगभग बिना किसी सार्वजनिक जागरूकता और कम निगरानी के वैश्विक संचार को बाधित करने की विशाल क्षमताएं विकसित की थीं। इन एजेंसियों ने कंपनियों को गुप्त आदेशों के तहत ग्राहक डेटा सौंपने और वैश्विक वित्तीय संदेश प्रणाली SWIFT के माध्यम से संवेदनशील वित्तीय डेटा तक पहुंचने के लिए मजबूर किया, जबकि इसकी निगरानी के लिए नियमों पर बातचीत भी की।
- एक बार एक गुप्त खुफिया-साझाकरण नेटवर्क के रूप में स्थापित, फाइव आईज आज एक विशाल वैश्विक निगरानी तंत्र में विकसित हो गया है, जो बहुत कम जवाबदेही के साथ काम कर रहा है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

बढ़े हुए परिव्यय के साथ संशोधित 'डेयरी विकास कार्यक्रम' और 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' को मंजूरी:

परिचय:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6,190 करोड़ रुपये के कुल बढ़े हुए परिव्यय के साथ संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) और राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) को मंजूरी दे दी है।
- सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि संशोधित NPDD दूध खरीद के लिए बुनियादी ढांचे का विकास, प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार और बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करके डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देगा। राष्ट्रीय गोकुल मिशन कृत्रिम गर्भाधान और इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) के माध्यम से दूध उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- संशोधित NPDD और RGM को "श्वेत क्रांति 2.0" के दृष्टिकोण के अनुरूप बनाया गया है, जो डेयरी क्षेत्र की निरंतर वृद्धि और उत्पादकता सुनिश्चित करेगा।

संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD):

- पशुपालन एवं डेयरी विभाग फरवरी 2014 से पूरे देश में "राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD)" योजना को लागू कर रहा है। जुलाई 2021 में इस योजना को 2021-22 से 2025-26 तक कार्यान्वयन के लिए दो घटकों के साथ पुनर्गठित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है
- सरकार द्वारा NPDD, के लिए अतिरिक्त 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे 15वें वित्त आयोग चक्र (2021-22 से 2025-26) के लिए इसका कुल बजट 2,790 करोड़ रुपये हो गया है।
- संशोधित योजना दूध खरीद, प्रसंस्करण क्षमता और गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है, जिससे अंततः देश भर के डेयरी किसानों को लाभ होगा।

NPDD की मुख्य विशेषताएं:

- **घटक A:** डेयरी अवसंरचना में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें दूध ठंडा करने वाले संयंत्र, उन्नत दूध परीक्षण प्रयोगशालाएं और नई ग्रामीण डेयरी सहकारी

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

समितियों की स्थापना शामिल है। पूर्वोत्तर क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्रों और केंद्र शासित प्रदेशों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

- **घटक B - "सहकारिता के माध्यम से डेयरी":** यह घटक नौ राज्यों: आंध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में डेयरी उत्पादन और विपणन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए जापान सरकार और जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA) के साथ सहयोग जारी रखेगा।

संशोधित NPDD का उद्देश्य:

- संशोधित NPDD से 10,000 नई डेयरी सहकारी समितियां स्थापित होने और पूर्वोत्तर क्षेत्र में डेयरी प्रसंस्करण को मजबूत करने की उम्मीद है।
- इसके अतिरिक्त, यह समर्पित अनुदान सहायता के साथ दो दूध उत्पादक कंपनियों के गठन का समर्थन करेगा।
- इससे करीब 3.2 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। खास बात यह है कि इसमें 70% महिलाएं लाभान्वित होंगी, जो डेयरी क्षेत्र की मुख्य कार्यबल हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM):

- दिसंबर 2014 से देशी गोजातीय नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) लागू किया जा रहा है। यह योजना दूध की बढ़ती मांग को पूरा करने और देश के ग्रामीण किसानों के लिए डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाने के लिए गोजातीय पशुओं के दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।
- इस योजना को 2021 से 2026 तक राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना के तहत भी जारी रखा गया है, जिसका बजट 2400 करोड़ रुपये है। मंत्रिमंडल ने संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के लिए 1,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया गया है, जिससे 15वें वित्त आयोग के चक्र के लिए इसका कुल व्यय 3,400 करोड़ रुपये हो गया है।

RGM की मुख्य विशेषताएं:

- कुल 15,000 बछियों की क्षमता वाले 30 बछिया पालन केंद्र स्थापित करने के लिए पूंजीगत लागत का 35% एकमुश्त सहायता।

- दूध संघों, बैंकों या वित्तीय संस्थानों के माध्यम से उच्च-आनुवांशिक-योग्यता वाले IVF बछिया खरीदने वाले किसानों के लिए 3% ब्याज अनुदान।
- नस्ल सुधार कार्यक्रमों, कृत्रिम गर्भाधान पहलों और केंद्रीय मवेशी प्रजनन फार्मों को मजबूत बनाने की निरंतरता।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन का प्रदर्शन:

- राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP) देश भर के 605 जिलों में किसानों के दरवाजे पर मुफ्त कृत्रिम गर्भाधान (AI) प्रदान करता है, जहां आधारभूत AI कवरेज 50% से कम था। आज तक, 8.39 करोड़ से अधिक पशुओं को कवर किया गया है, और 5.21 करोड़ किसानों को लाभ हुआ है।

सर्बिया में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ 'सोनिक हथियार' के प्रयोग का आरोप:

चर्चा में क्यों है?

- सर्बिया में सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन 15 मार्च को हुआ, जिसमें कम से कम 100,000 लोग बेलग्रेड की सड़कों पर उतरे। इस प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए 'सोनिक हथियार' का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

- हालांकि सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने इस बात से इनकार किया है कि उनके पुलिस बलों ने बेलग्रेड में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए प्रतिबंधित 'सोनिक हथियार' का इस्तेमाल किया।
- उल्लेखनीय है कि कुछ सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकारियों ने विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए एक तीक्ष्ण ध्वनि उत्पन्न करने के लिए एक सोनिक हथियार

का इस्तेमाल किया। जबकि सर्बिया के पुलिस कानून के तहत, ऐसे हथियार का इस्तेमाल अवैध है।

सोनिक हथियार क्या होता है?

- ध्वनिक या 'सोनिक हथियार' ऐसे उपकरण होते हैं जो लंबी दूरी पर बहुत तेज आवाज़ें देते हैं। उन्हें दर्दनाक श्रव्य या अश्रव्य ध्वनि तरंगों को उत्सर्जित करने के लिए डिज़ाइन किया जा सकता है। इन उपकरणों का उपयोग ध्वनि संदेश या अन्य ध्वनियाँ देने के लिए ध्वनि एम्पलीफायरों की तरह भी किया जा सकता है।
- हालाँकि ध्वनि एम्पलीफायरों का इस्तेमाल सदियों से होता आ रहा है, लेकिन भीड़-नियंत्रण उद्देश्यों के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल 1990 के दशक की शुरुआत में हुआ था। 2004 में, संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना ने पहली बार इराक में बहुत लंबी दूरी पर तेज़ आवाज़ें प्रक्षेपित करने में सक्षम विशेष उपकरणों का इस्तेमाल किया।

सोनिक हथियार कैसे काम करते हैं?

- उल्लेखनीय है कि ऐसे हथियारों में आमतौर पर सैकड़ों आधुनिक ट्रांसड्यूसर होते हैं - एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जो ऊर्जा को एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित करता है - अत्यधिक केंद्रित और प्रवर्धित ध्वनि बनाने के लिए।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- यह काफी संकीर्ण ध्वनि तरंगें विशिष्ट लक्षित क्षेत्रों पर केंद्रित कर सकती है। ध्वनि तरंगों को पुलिस अधिकारियों द्वारा नियंत्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उसकी आवृत्ति, स्तर, गुणवत्ता और अवधि को बदल सकते हैं।

सोनिक हथियारों के विभिन्न प्रकार क्या हैं?

- **लंबी दूरी की ध्वनिक डिवाइस (LRAD):**
  - ➢ यह डिवाइस अमेरिका स्थित जेनेसिस इंक द्वारा निर्मित है। इसमें स्पष्ट भाषण के लिए 8,900 मीटर की रेंज है, और यह अत्यधिक तेज़ ध्वनि की एक अत्यधिक दिशात्मक "बीम" उत्पन्न करता है जो 160 डेसिबल (dB) तक जा सकती है।
  - ➢ तुलना के लिए, जेट इंजन के उड़ान भरते समय उसके ठीक पीछे खड़े होने पर 130-140 dB के बीच की ध्वनि होती है, और पास में गोली चलने पर लगभग 150 dB की ध्वनि उत्पन्न होती है।
  - ➢ 140 dB से अधिक की ध्वनि अधिकांश लोगों के लिए दर्द का कारण बनेगी, लेकिन 120 dB से अधिक की ध्वनि भी कम समय के लिए स्थायी श्रवण क्षति का कारण बन सकती है।

- **द मॉस्क्विटो अलार्म:**
  - ➢ यह डिवाइस बहुत तेज़ आवाज़ें उत्पन्न करती है जो केवल युवा लोगों को सुनाई देती हैं और दर्दनाक होती हैं - आमतौर पर किशोर और बीस के दशक के लोग। यह वृद्ध लोगों (30 और उससे अधिक) को प्रभावित नहीं करता है।
  - ➢ यह वयस्कों को सुनाई नहीं देता क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ आपकी सुनने की क्षमता कम हो जाती है।
- **इन्फ्रासोनिक हथियार:**
  - ➢ यह एक नई तकनीक है और यह बहुत कम आवृत्ति वाली ध्वनियाँ दे सकती है जो सुनाई नहीं देंगी लेकिन दर्द और भटकाव पैदा कर सकती हैं।
  - ➢ विशेषज्ञ अभी भी इसकी क्षमताओं की जांच कर रहे हैं।

सोनिक हथियारों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ते हैं?

- सोनिक हथियार कान के पर्दों और कानों के नाजुक अंगों को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं और/या सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि इयरप्लग का उपयोग करने से ध्वनि 20-30 dB तक कम हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण चोट से बचने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है।

- इनका स्वास्थ्य पर प्रभाव ध्वनि स्रोत से व्यक्ति की दूरी, जोखिम की अवधि और पहले से मौजूद शारीरिक स्थितियों पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, LRAD द्वारा उत्सर्जित तेज आवाजें कानों में बजने की अनुभूति पैदा कर सकती हैं, जिसे टिनिटस भी कहा जाता है, जो जोखिम के बाद मिनटों या दिनों तक रह सकता है।
- अन्य ध्वनि नुकसान के लक्षणों में सिरदर्द, मतली, पसीना आना, चक्कर आना और संतुलन खोना शामिल हैं। अधिक गंभीर नुकसान के लक्षणों में उल्टी और कानों से बलगम या खून आना शामिल है।
- हालांकि PHR जैसे मानवाधिकार संगठन ध्यान देते हैं कि ध्वनि हथियारों के प्रभावों पर पर्याप्त साहित्य नहीं है।

हवाना सिंड्रोम:

- ध्वनि रहित ध्वनि या उच्च आवृत्ति पर इन्फ्रासोनिक हथियारों के उपयोग के बारे में अफवाहें रही हैं। 2016 और 2017 में, क्यूबा की राजधानी हवाना में अमेरिकी राजनयिकों ने स्वास्थ्य समस्याओं जैसे सुनने की क्षति, चक्कर आना और नींद न आना जैसी समस्याओं की सूचना दी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दूतावास के कुछ कर्मचारियों को मस्तिष्काघात और सुनने की पूरी क्षमता का नुकसान हुआ।

- बाद में, वियना और बर्लिन जैसे अन्य स्थानों पर अमेरिकी राजनयिकों में भी इसी तरह के लक्षण देखे गए। तथाकथित "हवाना सिंड्रोम" की जांच कभी भी स्पष्ट निष्कर्ष पर नहीं पहुंची।

सर्बिया:

- सर्बिया दक्षिण-पूर्व और मध्य यूरोप के चौराहे पर स्थित एक स्थल-रुद्ध देश है, जो बाल्कन में स्थित है, इसकी सीमा उत्तर में हंगरी, उत्तर-पूर्व में रोमानिया, दक्षिण-पूर्व में बुल्गारिया, दक्षिण में उत्तरी मैसेडोनिया, पश्चिम में क्रोएशिया और बोस्निया और हर्जेगोविना और दक्षिण-पश्चिम में मोंटेनेग्रो से लगती है।

- इसकी राजधानी बेलग्रेड सबसे बड़ा शहर भी है।
- 1920 के दशक की शुरुआत में सर्बिया यूगोस्लाविया का एक अभिन्न अंग था, जिसमें सर्बिया, क्रोएशिया, स्लोवेनिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, कोसोवो, उत्तरी मैसेडोनिया और मोंटेनेग्रो जैसे वर्तमान के देश शामिल थे।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQ

Q.1. चर्चा में रहे 'फाइव आईज' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 1946 में गठित, यह दुनिया का सबसे पुराना और सबसे विशिष्ट खुफिया-साझाकरण नेटवर्क है।
2. अमेरिकी नेतृत्व वाले इस गठबंधन में ब्रिटेन सहित पश्चिमी यूरोप के चार देश शामिल हैं।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a)

Q.2. हाल ही में भारत सरकार ने राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम में पुनर्संशोधन करते हुए इसके लिए 1000 करोड़ रूपये का अतिरिक्त आबंटन किया है। भारत सरकार द्वारा यह योजना कब से लागू की जा रही है?

(a) जुलाई 2021 से

(b) अप्रैल 2020 से

(c) जुलाई 2019 से

(d) फरवरी 2014 से

Ans. (d)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

Q.3. चर्चा में रहे 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह योजना दूध की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उन्नत दुग्ध उत्पादक विदेशी संकर प्रजाति की गोजातीय पशुओं को विकसित करने की है।
2. इस मिशन के तहत राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम देश भर के 605 जिलों में किसानों के दरवाजे पर मुफ्त कृत्रिम गर्भाधान प्रदान करता है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (b)

Q.4. चर्चा में रहे 'सर्बिया' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही **नहीं** है?

(a) यह बाल्कन क्षेत्र में स्थित देश है।

(b) इसकी राजधानी बेलग्रेड इसका सबसे बड़ा शहर है।

(c) 1920 के दशक की शुरुआत में यह यूगोस्लाविया का एक अभिन्न अंग था।

(d) इसके एक तरफ भूमध्य सागर तथा दूसरे तरफ काला सागर स्थित है।

Ans. (d)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

Q.5. हाल ही चर्चा में रहे 'सोनिक हथियारों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये ऐसे उपकरण होते हैं जो लंबी दूरी तक बहुत तेज और दर्दनाक श्रव्य या अश्रव्य ध्वनि तरंगों को उत्सर्जित करने में सक्षम होते हैं।
2. इसमें अत्यधिक केंद्रित और प्रवर्धित ध्वनि बनाने के लिए सैकड़ों आधुनिक ट्रांसड्यूसर उपयोग किये जाते हैं ।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)